महात्मा गांधी

माँ, मैं गांधी बाबा बनकर
सत्य-अहिंसा का व्रत पालूँ।

मैं बचपन में राजकोट से
दूर विलायत पढ़ने जाऊँ,
पर अपनी माँ के कहने से
पिऊँ न मदिरा, मांस न खाऊँ।
ऊँचे आदर्शों के साँचे में
अपने जीवन को ढालूँ
माँ, मैं गांधी बाबा बनकर
सत्य-अहिंसा का व्रत पालूँ।

रवीन्द्रनाथ टैगोर

माता, मैं टैगोर बनूँगा।

मेरे गीत हवा के रथ पर
चढ़कर सिंधु पार जाएँगे
दूर देश से यश-वैभव
ले-ले कर वापस आएँगे।

गीतांजलि अर्पित कर मैं भी
कवियों का सिरमौर बनूँगा।
माता, मैं टैगोर बनूँगा।

शिक्षा-उड़ान सपनों की's post

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना तोते को खिलाते।
तोते को खिलाते तो टाँय-टाँय गाता,
टाँय-टाँय गाता तो बड़ा मज़ा आता।

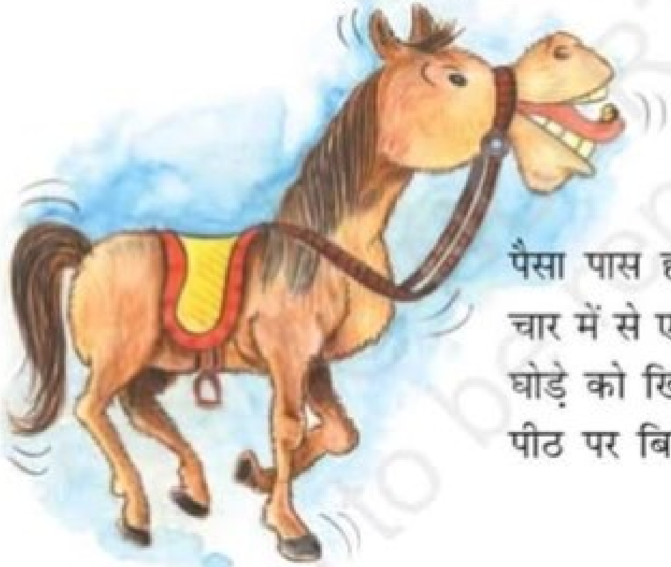

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना घोड़े को खिलाते।
घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता,
पीठ पर बिठाता तो बड़ा मज़ा आता।

पैसा पास होता तो चार चने लाते,
चार में से एक चना चूहे को खिलाते।
चूहे को खिलाते तो दाँत टूट जाता,
दाँत टूट जाता तो बड़ा मज़ा आता।

241 comments 1.1